मध्य प्रदेश में एक, आन्ध्र प्रदेश में एक, तथा उत्तर प्रदेश में चार परियोजनाएं हैं।

बाल श्रमिक परियोजनाओं को केवल ऐसे क्षेत्रों में चलाया जाता है जहां ऐसी परियोजनाओं की आवश्यकता होती है, इसलिए ऐसी परियोजनाओं की मंजूरी के लिए कोई राज्यवार एक समान पैटर्न नहीं है। स्वैच्छिक संगठनों द्वारा चलाई जाने वाली परियोजनाएं आम तौर पर अपने लक्ष्यों में सफल होती हैं। राष्ट्रीय बाल श्रम नीति के अंतर्गत परियोजनाओं तथा प्रवर्तन तंत्र को कारगर बनाने की योजना को अभी हाल में ही शुरू किया गया है और इस समय सफलता के स्तर को आंकना उचित नहीं है।

राजस्थान में नये आकाशवाणी केन्द्रों का खोला जाना

332. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में नए आकाशवाणी केन्द्र खोले जाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ; और

(ख) यदि हां, तो इन केन्द्रों को किन-किन स्थानों पर खोले जाने का विचार है और उनकी प्रसारण क्षमता कितनी-कितनी होगी ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच०के०एल० भगत) : (क) जी हां।

(ख) सातवीं योजना अवधि के दौरान राजस्थान राज्य में निम्नलिखित दस नए रेडियो स्टेशन स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :—

1. जैसलमेर	10 किलो वाट एफ०एम० ट्रांसमीटर, टाइप-1 (आर) स्टूडियो।
2. बाड़मेर	20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
3. चुरु	6 किलोवाट एफ० एम० ट्रांसमीटर, बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
4. माउन्ट आबू	10 किलोवाट एफ० एम० ट्रांसमीटर , बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
5. बांसवाड़ा	6 किलोवाट एफ० एम० (स्थानीय), बहु उद्देशीय स्टूडियो।
6. अलवर	6 किलोवाट एफ० एम० (स्थानीय), बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
7. झालावाड़	6 किलोवाट एफ० एम० (स्थानीय) बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
8. चित्तौड़गढ़	6 किलोवाट एफ० एम० (स्थानीय) बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
9. सवाई माधोपुर	6 किलोवाट एफ० एम० (स्थानीय) बहु-उद्देशीय स्टूडियो।
10. नागौर	6 किलोवाट एफ० एम० (स्थानीय) बहु-उद्देशीय स्टूडियो।